

15 अक्टूबर की तय तारीख पर शुरू नहीं हो सका पैटून पुल का संचालन, राह देख रहे लोग

■ संचालन से एक दिन पहले जेसीबी से पिनाहट घाट पहुंच मार्ग का किया गया समतलीकरण

○ टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

चंबल नदी के पिनाहट घाट पर 15 अक्टूबर से शुरू होने वाला पैटून पुल का संचालन तय तिथि पर शुरू नहीं हो सका। इससे नदी के दोनों ओर आवागमन करने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुल के संचालन को लेकर क्षेत्रीय लोगों और व्यापारियों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन निधारित तारीख पर भी पुल चालू नहीं हो पाया।

बुधवार को पैटून पुल के संचालन से एक दिन पहले जेसीबी की मदद से पिनाहट घाट तक पहुंचने वाले मार्ग का समतलीकरण कराया गया। हालांकि, मार्ग को



दुरुस्त करने के बावजूद 15 अक्टूबर से पुल का संचालन शुरू नहीं हो सका। अब लोगों को पुल चालू होने का इंतजार है पैटून पुल का संचालन शुरू होने से उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच चंबल नदी पार करने वाले ग्रामीणों, किसानों, व्यापारियों और अन्य यात्रियों को राहत मिलती है। ऐसे में पुल का संचालन समय पर शुरू नहीं होने से क्षेत्रीय लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

बमान में माँ आशापूर्णा मंदिर पर शीटू चौहान ने किया पूजन, मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए पीले चावल देकर रथ किया रवाना

○ टीएनएफ टुडे, एत्मादुपर।

विधानसभा क्षेत्र के गाँव बमान स्थित प्रसिद्ध माँ आशापूर्णा मंदिर में जनप्रिय युवा नेता शीटू (सीटू) चौहान ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। माँ का आशीर्वाद लेने के बाद उन्होंने आगामी मूर्ति अनावरण कार्यक्रम के लिए क्षेत्रवासियों को पीले चावल (निर्मंत्रण) देकर कार्यक्रम में बड़-चढ़कर शामिल होने की अपील की।

नवरात्रि के 8वें दिन सेमरा में उपवास और बड़ा संकल्प

माँ आशापूर्णा के दरबार से हुंकार भरते हुए सीटू चौहान ने कहा कि वह माता के आठवें दिन सेमरा गाँव में उपवास रखेंगे। इस दौरान वे क्षेत्र और समाज के कल्याण के लिए एक बड़ा संकल्प भी लेंगे। उन्होंने



जनता से निवेदन किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में पहुंचकर इस ऐतिहासिक पल की शोभा बढ़ाएं।

15 नवंबर के बाद लग सकती है सीएम योगी आदित्यनाथ की तारीख



पुलिस ने मिशन शक्ति के तहत स्कूलों में आयोजित किए कार्यक्रम

○ टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

मिशन शक्ति 6.0 के चतुर्थ दिवस बुधवार को थाना पिनाहट पुलिस प्रधानाचार्य कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, अन्य महिला स्टाफ द्वारा कस्तूरबा गांधी आवास का भ्रमण किया गया ,तथा बालिकाओ को महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही महिला संबंधी अपराधों, घरेलू हिंसा, साहब्र अपराध से बचाव तथा किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की स्थिति में पुलिस से सहायता प्राप्त करने के संबंध में जानकारी दी गई। और हेल्पलाइन नंबरों के प्रति जागरूक करते हुए ,विभिन्न सरकारी योजनाओं की भी जानकारी दी गयी।

छात्राओं को निडर होकर अपनी शिकायत दर्ज कराने हेतु बताया गया। तथा छात्रावास में रहने वाली समस्त छात्राओं को एसीपी पिनाहट अनिल कुमार द्वारा खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। ऐसे ही कार्यक्रम बसई अरेला, पिढौरा पुलिस द्वारा स्कूलों में आयोजित कर मिशन शक्ति के तहत छात्राओं को जागरूक किया है।

विधानसभा के गाँव-गाँव और घर-घर जाकर सर्व समाज के लोगों को आमंत्रित करूँगा। मुख्यमंत्री जी जो भी तारीख तय करेंगे, उस दिन हम सब मिलकर इस कार्यक्रम को दिव्य और भव्य बनाने का कार्य करेंगे।**बुजुर्गों ने दिया आशीर्वाद, कहा- पार्टी सीटू चौहान को दे मौका**

क्षेत्रीय जनता और बुजुर्गों में सीटू चौहान के इस सामाजिक और धार्मिक कार्य को लेकर भारी उत्साह है। गाँव के बुजुर्गों ने कहा कि सीटू चौहान जो कार्य कर रहे हैं, वह बेहद सराहनीय है। बुजुर्गों ने खुलकर समर्थन करते हुए कहा कि वे जनता और शीर्ष नेतृत्व (पार्टी) से निवेदन करेंगे कि आने वाले समय में सीटू चौहान को सेवा का मौका दिया जाए। इस मौके पर बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और समर्थक मौजूद रहे।

नरीपुरा में टोरंट के ग्राहक संवाद में हुआ 560 शिकायतों का निपटारा

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

जगनेर रोड स्थित पीआरएस उत्सव भवन नरीपुरा में बुधवार को लगाए गए टोरंट पावर के मेगा संवाद में उपभोक्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। टोरंट पावर के उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में उपभोक्ताओं की समस्याएँ सुनकर उनका समाधान किया गया। टोरंट पावर के अधिकारियों के मुताबिक मेगा संवाद में साढ़े पांच सौ से अधिक उपभोक्ताओं की शिकायतों का निपटारा हुआ। इनमें 383 शिकायतें रके हुए बिल की किरतों से सम्बंधित थीं। जबकि 101 विद्युत चोरी सम्बन्धी शिकायतों का निस्तारण किया गया। वहीं 32 ने कनेक्शन और 44 सौर ऊर्जा सम्बन्धी शिकायतें निपटाई गईं। इस दौरान 9 लाख 57 हजार 472 रुपए का राजस्व वसूला गया और 256 रसीदें भी काटी गईं। टोरंट पावर के अधिकारियों के अनुसार इस तरह



के संवाद आगे भी आयोजित किए जाएंगे। ताकि उपभोक्ताओं को अपनी समस्याओं को टोरंट पावर

एनसीसी कैडेट्स ने पुलिस के साथ संभाली यातायात व्यवस्था

○ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना डौकी क्षेत्र में बुधवार को महिला एनसीसी कैडेट्स यातायात व्यवस्था संभालती नजर आईं। यातायात सहयोग सेवा के तहत आयोजित कार्यक्रम में कैडेट्स ने डौकी पुलिस के साथ मिलकर वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान महिला एनसीसी कैडेट्स ने सड़क पर वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी। उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने और सड़क पर चलते समय सावधानी बरतने की अपील की। साथ ही लोगों को यातायात नियमों का पालन कर खुद की और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित

करने का संदेश दिया।इसके अलावा महिला एनसीसी कैडेट्स ने जागरूकता रैली निकालकर बालिकाओं को महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। उन्हें किसी भी आपात स्थिति में संबंधित हेल्पलाइन का उपयोग करने और जरूरत पड़ने पर पुलिस की सहायता लेने के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही बालिकाओं को महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान पुलिसकर्मियों और एनसीसी कैडेट्स ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।इस दौरान थानाध्यक्ष डौकी सुनीत शर्मा, वरिष्ठ उपनिरीक्षक देवेन्द्र कुमार सहित आदि पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की अहम बैठक में उठा पत्रकार उत्पीड़न का मुद्दा

‘कलम की ताकत पहचानें पत्रकार, एकजुट होकर उठाएं अपनी आवाज’ – श्यामसुंदर पाराशर

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक बुधवार को किरावली तहसील के समीप स्थित कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष महेंद्रनाथ सिंह के निदेशानुसार आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के विभिन्न समाचार पत्रों एवं न्यूज चैनलों से जुड़े पत्रकारों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस दौरान संगठन विस्तार, ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं, पत्रकारों की सुरक्षा और उत्पीड़न से जुड़े मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में विशेष रूप से फतेहपुर सीकरी क्षेत्र में दो पत्रकारों के खिलाफ पुलिस द्वारा कथित तौर पर बिना समुचित जांच एवं बिना साक्ष्य के मुकदमा दर्ज किए जाने का मुद्दा उठाया



गया। उपस्थित पत्रकारों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा पत्रकारों के साथ न्याय सुनिश्चित करने पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पत्रकार अनेक चुनौतियों के बीच जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा, सम्मान और निष्पक्ष पत्रकारिता

के अधिकारों की रक्षा करना बेहद जरूरी है।

बैठक के मुख्य अतिथि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं अनेक राजस्थान के सह प्रभारी श्याम सुंदर पाराशर ने कहा कि पत्रकारों को अपनी कलम की ताकत पहचाननी चाहिए। उन्होंने

कहा कि पत्रकारिता समाज की आवाज बुलंद करने का सशक्त माध्यम है। पत्रकारों को आपसी एकजुटता बनाए रखते हुए अपनी समस्याओं को पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों के समक्ष मजबूती से रखना चाहिए। संगठन की शक्ति ही पत्रकारों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा

का आधार बन सकती है।

पत्रकारों की आवाज दबाने का प्रयास बर्दाश्त नहीं : डॉ विष्णु सिकरवार

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. विष्णु सिकरवार ने कहा कि पत्रकारों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। यदि जनसमस्याओं को उठाने वाले पत्रकारों का उत्पीड़न किया जाता है, तो संगठन चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के उत्पीड़न के मामलों को गंभीरता से उठाया जाएगा और संबंधित पुलिस अधिकारियों की कार्यशैली से शासन को अवगत कराया जाएगा।

बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विष्णु सिकरवार ने की। संगठन के संरक्षक ओमप्रकाश सविता,वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक शर्मा की प्रमुख

भूमिका रही। बैठक का संचालन जिला महामंत्री प्रमोद फौजदार ने किया। इस अवसर पर कमल बिहार मुखिया, राजेश शर्मा, राजेंद्र सिंह छोंकर, शिवम सिकरवार, प्रमोद पाठक, चौब सिंह सक्सेना, सोनवीर सिंह, भोज कुमार फौजी, अमित चाहर, कर्मवीर सिंह, राजकुमार इंदौलिया, नीरज शुक्ला, देवेश शर्मा, शीलेंद्र गौतम, गोविंद शर्मा, हरिओम रावत, जितेंद्र/जीते ठाकुर, सहदेव शर्मा, अजय सिंह, रवि चौधरी, दिलशाद समीर, ज्ञानू चौधरी, शोएब सिद्दीकी, राहुल आमीन, अली कुरैशी सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

बैठक में पत्रकारों ने संगठन को मजबूत बनाने, आपसी समन्वय बढ़ाने और ग्रामीण पत्रकारों के अधिकारों एवं सम्मान की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

कृषि मंत्री उ.प्र.सरकार सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में आगरा, अलीगढ़, बरेली मंडल की 'राज्य स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी' मंडलायुक्त सभागार में संपन्न

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

बुधवार को कृषि मंत्री उ.प्र.सरकार सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में आगरा,अलीगढ़, बरेली मंडल की 'राज्य स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी'- 2026 मंडलायुक्त सभागार में संपन्न हुई।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री ने प्रमुख सचिव कृषि एमके शन्शुमा सुन्दरम के साथ कमिशनरी प्रांणण में लगे कृषि मेले की स्टालों का निरीक्षण किया तथा जानकारी प्राप्त की।गोष्ठी का शुभारंभ मंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग, उत्तर प्रदेश, सूर्य प्रताप शाही द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में किसान भाइयों को कृषि यंत्रों की चाभी तथा प्रशस्ति पत्र भी प्रदान

किये गए।मा.कृषि मंत्री महोदय ने आगरा, अलीगढ़ एवं बरेली मंडल की संयुक्त मंडलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी-2026 को संबोधित करते हुए कहा कि देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना आवश्यक है। इसके लिए किसानों को दलहन और तिलहन की खेती बढ़ाने, फसल विविधीकरण अपनाने, संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करने तथा कृषि की आधुनिक तकनीकों के साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि मंडलीय गोष्ठियों का उद्देश्य किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को समझना और उनके व्यावहारिक समाधान तलाशना है।



गोष्ठी में मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए कृषि क्षेत्र में उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ किसानों की आय के अवसरों का विस्तार करना जरूरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश

सरकार किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, पर्याप्त उर्वरक, सिंचाई सुविधाएं और कृषि संबंधी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसानों तक योजनाओं की जानकारी समय से पहुंचाई जाए और उनकी

समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाए।

कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मैनपुरी और मथुरा के प्रयासों की सराहना शाही ने आगरा मंडल में गेहूं और चना उत्पादन की चर्चा करते हुए मैनपुरी जनपद की उत्पादकता की सराहना की। उन्होंने कहा कि मैनपुरी में गेहूं और चना की उत्पादकता राज्य के औसत से अधिक होने की जानकारी उत्पादाहजनक है। इसके लिए उन्होंने किसानों और कृषि विभाग के अधिकारियों को बधाई दी। मथुरा जनपद में कृषि उत्पादन बढ़ाने के प्रयासों की भी उन्होंने प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि किसानों को स्थानीय जलवायु, मिट्टी, बाजार की मांग और फसलों की लाभप्रदता को

ध्यान में रखते हुए खेती की योजना बनानी चाहिए।

मंत्री जी ने बताया कि प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, समय से बीज उपलब्ध कराने, उर्वरकों की आपूर्ति और कृषि निवेश बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। कुसुम सोलर पंप प्रदान किए गए हैं उन्होंने सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई पंपों का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी व्यवस्थाएं किसानों को सिंचाई के वैकल्पिक साधन उपलब्ध कराने में सहायक हैं। किसानों को उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए उत्पादन लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए।

दलहन और तिलहन उत्पादन बढ़ाकर आयात पर निर्भरता घटाने

का आह्वान शाही जी ने कहा कि देश में खाद्य तेलों और दलहन की मांग को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में आयात करना पड़ता है। ऐसे में किसानों के लिए सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी और विभिन्न दलहन की खेती बढ़ाने की पर्याप्त संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय दलहन मिशन और राष्ट्रीय तिलहन मिशन का उद्देश्य घरेलू उत्पादन बढ़ाना तथा आयात पर निर्भरता कम करना है।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में सरसों का उत्पादन बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में सरसों उत्पादन को लगभग 10 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 35 लाख मीट्रिक टन तक पहुंचने

का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे 40 लाख मीट्रिक टन तक ले जाने का लक्ष्य बताया। इस दिशा में किसानों को नि:शुल्क बीज उपलब्ध कराने सहित विभिन्न प्रोत्साहनात्मक उपाय किए जा रहे हैं।

मंत्री ने किसानों से अपील की कि वे केवल परंपरागत फसलों पर निर्भर न रहें, बल्कि बाजार की मांग और लाभ की संभावनाओं को देखते हुए फसल विविधीकरण अपनाएं। उन्होंने कहा कि आलू की खेती महत्वपूर्ण है, लेकिन बाजार में प्रतिस्पर्धा और कीमतों में उतार-चढ़ाव को देखते हुए किसानों को सरसों एवं अन्य वैकल्पिक फसलों की संभावनाओं पर भी विचार करना चाहिए।

प्रशासन के आश्वासन पर अनशन खत्म, मांगों न मानीं तो होगा उग्र आंदोलन

यूजीसी नियमों और आरक्षण के मुद्दों पर 8 अक्टूबर से चल रहा था अनशन

○ **टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर।**

यूजीसी के नए नियमों, जातिगत आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट के कथित दुरुपयोग के खिलाफ गद्दी बच्ची ग्राम में चल रहा आमरण अनशन समाप्त हो गया है। सर्वण जनसमाज महापंचायत के बैनर तले अध्यक्ष ठाकुर मोहित तोमर द्वारा 8 अक्टूबर 2026 से शुरू की गई अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल को प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद 13 अक्टूबर 2026 को खत्म करा दिया गया।

धरना स्थल पर पहुंचे उपजिलाधिकारी (रउट) एम्मादपुर सुमित सिंह और सहायक पुलिस आयुक्त (अउड) देवेश सिंह ने आंदोलनकारियों से वार्ता की। अधिकारियों ने महामहिम राष्ट्रपति



को संबोधित 6.सूत्रीय मांग पत्र (ज्ञापन) स्वीकार किया और निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिलाकर मोहित तोमर को जूस पिलाकर उनकी भूख हड़ताल समाप्त कराई। इस दौरान , एम एस ठाकुर,अतुल तोमर ,महिपाल सिंह, मनोज सिकरवार, मुकुल चंदेल, हेमन्त

सिंह चौहान दीपक तोमर, अजीत तोमर, महेश तोमर, मोन्ू तोमर, एड. अवनीश कुमार वैस (राष्ट्रीय अध्यक्ष) जितेन्द्र त्यागी (युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष, (एवं) वरिष्ठ राष्ट्रीय महासचिव, जमुना प्रसाद त्यागी (राष्ट्रीय बरिष्ठ उपाध्यक्ष), सत्यपाल सिंह परमार (राष्ट्रीय

- 8 अक्टूबर से चल रही गुप्त हड़ताल 13 अक्टूबर को समाप्त
- एखडीएन और एसीपी ने आंदोलनकारियों से की वार्ता
- मांगों पूरी न होने पर आगरा में आंदोलन की चेतावनी
- प्रशासन के आश्वासन पर एत्मादपुर में सर्वण समाज का आमरण अनशन समाप्त

कोषाध्यक्ष), योगेश ठाकुर (राष्ट्रीय मीडिया प्रवक्ता),सुभाष उपाध्याय, के. पी सिंह (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), कपिल ठाकुर (प्रदेश उपाध्यक्ष), शिवम सेन ८ ब्लॉक अध्यक्ष (खंडेली), राजा ठाकुर (ब्लॉक अध्यक्ष युवा)और अमन तोमर पंकज ठाकुर,सहित सर्वण समाज के तमाम लोग मौजूद रहे।

समाजवादी छात्र सभा ने शिक्षक/स्नातक खंड चुनाव 2026 के लिए विभिन्न जनपदों में प्रभारी किए नियुक्त

प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा ने जारी की सूची, आगरा सहित कई जिलों की मिली जिम्मेदारी

○ **टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर।**

आगरा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की स्वीकृति तथा समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की अनुमति से समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष *डॉ. विनीत कुशवाहा* ने शिक्षक/स्नातक खंड चुनाव 2026 में संगठन को मजबूत करने और चुनावी तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से विभिन्न जनपदों में प्रभारियों की नियुक्ति की है। इस संबंध में 14 अक्टूबर 2026 को आधिकारिक पत्र जारी कर नियुक्त पदाधिकारियों की सूची घोषित की गई।

जारी सूची के अनुसार, लखनऊ खंड में सुधीर यादव और असगर अली को प्रदेश सचिव के रूप में जिम्मेदारी सौंपी



गई है। वहीं, वाराणसी खंड के अंतर्गत वाराणसी जनपद में शुभम यादव, भदोही में रोहित यादव तथा बलिया में रोशन यादव को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है।

संगठन को मजबूत करने की दिशा में कदम

समाजवादी छात्र सभा की ओर से की गई इन नियुक्तियों को शिक्षक एवं स्नातक खंड चुनाव 2026 की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण

बनते ही उखड़ने लगी सड़क, ग्रामीणों ने हाथ से गिट्टी निकालकर किया प्रदर्शन

फतेहाबाद। तहसील क्षेत्र के गांव सांकुरी कलां से हारकापुरा तक लोक निर्माण विभाग की ओर से कराए जा रहे सड़क मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। करीब दो किलोमीटर लंबे मार्ग पर सड़क बनते ही उखड़ने का आरोप लगाते हुए बुधवार को ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने हाथों से सड़क की गिट्टियां निकालकर निर्माण की गुणवत्ता दिखाईं। सांकुरी कलां निवासी जीतू चौहान ने बताया कि मार्ग पर करीब एक किलोमीटर तक मरम्मत कार्य किया जा चुका है। आरोप है कि मिट्टी के ऊपर ही गिट्टी डालकर सड़क बनाई जा रही है। डामर की मात्रा भी बेहद कम है और उसके स्थान पर काले तेल का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके चलते नवनिर्मित सड़क हाथों से ही उखड़ रही है। ग्राम प्रधान मेहताब सिंह ने भी निर्माण में घटिया सामग्री इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गिट्टी और डामर की मात्रा मानक के अनुरूप



नहीं है। मामले की लिखित शिकायत उपजिलाधिकारी फतेहाबाद से की जाएगी। प्रदर्शन में भूपेंद्र, दीपक, शिवम, दौजी राम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे। लोक निर्माण विभाग के जूनियर इंजीनियर सतीश वर्मा ने बताया कि सांकुरी कलां से हारकापुरा मार्ग पर मरम्मत कार्य चल रहा था। गुणवत्ता को लेकर शिकायत मिलने के बाद फिलहाल कार्य रुकवा दिया गया है। मामले की जांच कराई जाएगी और इसके बाद दोबारा कार्य कराया जाएगा।

निराश्रित महिला व बच्चों को एसीपी ने पहुंचाई खाद्य सामग्री

○ **टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।**

निराश्रित महिला एवं बच्चों को एसीपी संगं डौकी पुलिस ने खाद्यान्न सामग्री बांटी। बुधवार को डीसीपी पूर्वी अभिषेक अग्रवाल के निर्देश पर एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद डौकी पुलिस के साथ गांव नरि पहुंचे। यहां झोपड़ी में रहने वाली राम विधवा भूरी देवी को खाद्य सामग्री

और साड़ी भेंट की। पुलिस की इस मदद को देखकर भूरी देवी की आंखों से आंसू छलक पड़े। भूरी देवी गांव में एक झोपड़ी में अकेली रहती हैं। उनका बेटा अहमदाबाद में काम करता है। उस अधिक होने और आर्थिक तंगी के कारण वह किसी तरह अपना जीवन गुजारा रही हैं। हालत यह है कि कभी-कभी आटा न होने पर उन्हें भोजन तक नसीब नहीं

नगर पंचायत पिनाहट में 2.2

करोड़ रु. से अधिक के विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

पिनाहट। नगर पंचायत पिनाहट में नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नाली, सीसी सड़क, इंटरलॉकिंग, पेयजल एवं जल निकासी से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है। नगर पंचायत के उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार, 15 जुलाई 2026 को जारी संयुक्त हस्ताक्षरित पत्र के क्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत 15वें वित्त आयोग की अनटाइड ग्रांट, टाइड ग्रांट तथा 2 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क की धनराशि से कुल 2,18,47,779 के विकास कार्यों का प्रस्ताव रखा गया है। इनमें गलियों के निर्माण से लेकर बड़ी टंकी निर्माण और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने तक के कार्य शामिल हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष रामरती देवी ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में आवश्यकतानुसार बुनियादी सुविधाओं का विकास करना प्राथमिकता है। विकास कार्यों का उद्देश्य नागरिकों को आवागमन, जल निकासी और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि आमजन को दैनिक जीवन में होने वाली परेशानियों से राहत मिल सके।

शिवाजी महाराज म्यूजियम का 80 प्रतिशत सिविल वर्क पूरा

- डीएम मनीष बंसल ने किया निरीक्षण

- यूनिटी मॉल ने निर्माण कार्यों की गति और श्रमिकों की संख्या का लिया जायजा, समसंबद्धता और गुणवत्ता के कड़े निर्देश

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

जनपद में चल रहें प्रमुख विकास और निर्माण परियोजनाओं को गति देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निमाणाधीन 'छत्रपति शिवाजी महाराज म्यूजियम' तथा 'यूनिटी मॉल' का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों प्रमुख परियोजनाओं के निर्माण कार्यों की भौतिक प्रगति और गुणवत्ता को परखा।

निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि छत्रपति शिवाजी महाराज



म्यूजियम का 80 प्रतिशत सिविल वर्क पूरा हो चुका है और शेष निर्माण कार्य 15 दिसंबर तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके साथ ही म्यूजियम में क्यूरेशन (प्रदर्शन सामग्री नियोजन) का कार्य भी समानांतर रूप से तेजी से चल रहा है। जिलाधिकारी ने इंटीरियर, लाइटिंग और डिस्प्ले कार्यों में मानकों का शत-प्रतिशत पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्य शीघ्रता से पूरा करने के निर्देश दिए।

तत्पश्चात जिलाधिकारी यूनिटी मॉल

वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने का विशेष अवसर

- 17 व 24 अक्टूबर को सभी पोलिंग बूथों ए लगेगें ठेप
- प्रातः 10 से सायं 4 बजे तक बूथों पर बैठेंगे वीएलओ
- फॉर्म-6 से नया नाम, फॉर्म-7 से विलोपन और फॉर्म-8 हेफ्ट करारा जा सकेगा संशोधन

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद की समस्त विधानसभाओं की मतदाता सूचियों को अद्यतन करने तथा छूटे हुए पात्र नागरिकों एवं पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं के नाम शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम (नगर) यमुनाधर चौहान ने बताया कि इस संबंध में 17 अक्टूबर (शनिवार) और 24 अक्टूबर (शनिवार) को जनपद के सभी मतदेय स्थलों पर विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे।

मंदिर की लाइट काटने के विरोध में लोग बैठे धरने पर



○ **टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।**

कस्बा फतेहाबाद के बाह रोड पर स्थित हनुमान मंदिर की लाइट मंगलवार की शाम साढ़े आठ बजे के करीब आरती के समय मंदिर में अंधेरा हो गया आने वाले भक्तों ने इसका कारण पूछा तो मंदिर के पुजारी ने बताया के बिजली विभाग ने लाइट काट दी है। तभी गुस्साए लोग बैंच, कुर्सी रखकर हनुमान मंदिर के सामने रोड पर बैठ गए जिससे दोनों तरफ रोड जाम हो

गया।

जानकारी पर कस्बा इंचार्ज इंद्रजीत सिंह मौके पर पहुंचे और लोगों से बातचीत की तभी पुलिस के द्वारा विद्युत अधिकारियों से बातचीत की और फिर मंदिर की लाइट जुड़वाई गई। जहां लोगों का कहना है कि नवरात्रि के चलते मंदिरों पर विशेष सजावट की गई है तथा देर रात तक लोगों का आना-जाना रहता है ऐसे में बिजली विभाग

के द्वारा गलत तरीके से लाइट काटी गई है।वहीं इस पर अवर अभियंता दीपक कुमार से बात करने पर बतयाा कि मंदिर के अंदर की लाइट नहीं काटी गई है मंदिर के बाहर सजावट के नाम पर बड़ा लोड ट्रंसफार्मर पर आ रहा था जो बार-बार फेज उड़ा रहा था इसके चलते उसको बंद किया गया था पड्यंत्र के तहत मंदिर के अन्दर लाइट बंद कर दी गई थी।

होता। वह एक समय ही खाना बना पाती हैं।बुधवार को जब एसीपी इमरान अहमद पुलिस टीम के साथ उनकी झोपड़ी पर पहुंचे तो पुलिस की गाड़ियों को देखकर भूरी देवी घबरा गईं। उन्होंने बताया कि घर में आटा नहीं था, इसलिए वह पिछले दिन की बासी रोटी खा रही थीं। पुलिस को अपनी ओर आता देख वह डर गईं और खाना भी रख दिया। इस पर एसीपी

ने उन्हें ढाढ़स बंधाते हुए कहा दादी आज से आपको भूखे पेट नहीं सोना पड़ेगा। पुलिस आपके लिए खाने-पीने की सामग्री और कपड़े लेकर आई है। यह सुनते ही भूरी देवी भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि आज के जमाने में गरीबों की सुनने वाला कोन है। पुलिस को अपने बीच मदद के लिए आया देखकर उन्हें भरोसा नहीं हो रहा था।

 सम्पादकीय
भारत में तकनीकी शिक्षा का बढ़ता दायरा, रोजगारोन्मुखी उच्च शिक्षा और वैश्विक आकांक्षाओं की नई उड़ान देश के उच्च शिक्षण संस्थानों और तकनीकी शिक्षा के परिदृश्य में जिस प्रकार लगातार सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं, उसने भारत के युवाओं के भविष्य को एक नई और मजबूत दिशा प्रदान की है। आज के समय में तकनीकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में शिक्षा प्रणाली को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय व्यावहारिक और कौशल आधारित बनाना समय की सबसे बड़ी मांग बन गया है। नीति आयोग और शिक्षा मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार देश में इस पहलु पर विचार करें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि जब तक हमारे शैक्षणिक संस्थान उद्योगों की मांग के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार नहीं करते तब तक युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करना कठिन होगा। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हाल के वर्षों में उद्योगों और अकादमिक जगत के बीच की दूरी को पाटने के लिए इंटरनशिय और व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अनिवार्य किया गया है। शिक्षा का यह नया और उन्नत स्वरूप केवल बड़े महानगरों तक सीमित नहीं है बल्कि अब टियर टू और टियर थ्री शहरों के छात्र भी डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और ऑनलाइन शिक्षण माध्यमों से जुड़कर अपनी प्रतिभा का विस्तार कर रहे हैं। सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कौशल विकास योजनाओं और डिजिटल इंडिया पहलों के कारण ग्रामीण अंचलों के युवाओं को भी वैश्विक स्तर का तकनीकी ज्ञान सहज रूप से प्राप्त हो रहा है। देश के सकल घरेलू उत्पाद में तकनीकी और सेवा क्षेत्र का योगदान लगातार बढ़ रहा है, और भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है, जिसमें हमारे इन युवा इंजीनियरों और तकनीकी विप्रेक्षज्ञों की भूमिका सबसे अहम है। सरकार और शिक्षण संस्थानों को इस दिशा में मिलकर और अधिक ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है ताकि अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में और अधिक निवेश बढ़ाया जा सके। तथापि केवल डिग्री हासिल कर लेना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि छात्रों में व्यावहारिक दक्षता, क्रिटिकल थिंकिंग और नेतृत्व क्षमता का विकास करना भी उत्तना ही आवश्यक है। वर्तमान में वैश्विक बाजार की मांग यह है कि छात्र केवल नौकरी ढूँढने वाले न बनें बल्कि अपनी तकनीकी क्षमता के बल पर नए रोजगार पैदा करने वाले उद्यमी भी बनें। आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी शिक्षा नीति को और अधिक लचीला और आधुनिक बनाएं ताकि देश का हर युवा अल्पनिर्भर बनकर राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दे सके और भारत को विश्वगुरु के रूप में स्थापित कर सके।

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

जब राजा अंबरीष की रक्षा के लिए भगवान विष्णु का सुदर्शन चक्र प्रकट हुआ था

भक्तमाल और पुराणों के पावन इतिहास में राजा अंबरीष की निष्ठा और भगवान विष्णु की उनके प्रति अगाध कृपा का यह प्रसंग अत्यंत प्रेरणादायक है। राजा अंबरीष भगवान विष्णु के अनन्य भक्त थे और वे हमेशा द्वादशी व्रत का पूरी निष्ठा के साथ पालन करते थे। एक बार राजा अंबरीष ने द्वादशी के दिन अपना व्रत खोलने के लिए पारण का समय निर्धारित किया था और ब्राह्मणों को भोजन कराने की तैयारी की थी। उसी समय महर्षि दुवासा अचानक उनके महल में अतिथि के रूप में पधारे जिनका राजा ने अत्यंत आदर के साथ स्वागत किया। राजा ने महर्षि दुवासां से आग्रह किया कि वे पहले भोजन ग्रहण करें जिससे व्रत का पारण नियम अनुसार पूरा हो सके। महर्षि दुवासां स्नान करने के लिए नदी पर चले गए और उन्हें लौटने में कुछ विलंब हो गया। पारण का शुभ मुहूर्त तेजी से समाप्त हो रहा था और शास्त्रों के अनुसार यदि समय पर पारण न किया जाए तो व्रत का फल नष्ट हो जाता है। राजगुरु वशिष्ठ और अन्य विद्वानों की सलाह पर राजा अंबरीष ने व्रत के नियम की रक्षा के लिए केवल जल ग्रहण करके अपना पारण पूरा किया। जब महर्षि दुवासां नदी से वापस लौटे तब अपनी योगदृष्टि से उन्होंने यह जान लिया कि राजा ने उनके आने से पहले ही पारण कर लिया है। महर्षि दुवासां अत्यधिक क्रोधित हो गए और उन्होंने अपनी जटा से एक कृत्रिम कृत्यै उत्पन्न करके राजा अंबरीष पर आक्रमण कर दिया। राजा अंबरीष अपनी जगह से बिल्कुल नहीं हिले और उन्होंने पूरी शांति के साथ भगवान विष्णु का स्मरण किया। भक्त की रक्षा के लिए भगवान विष्णु का सुदर्शन चक्र प्रकट हुआ और उसका महर्षि दुवासां के उस प्रहार को क्षण भर में नष्ट कर दिया। सुदर्शन चक्र का प्रकट तेज देखकर महर्षि दुवासां भयभीत हो गए और अपनी जान बचाने के लिए तीनों लोकों में भागने लगे। महर्षि दुवासां ब्रह्मा जी और भगवान शिव के पास गए किंतु किसी ने भी सुदर्शन चक्र के तेज को रोकने में असमर्थता जताई। अंत में महर्षि दुवासां भगवान विष्णु की शरण में पहुंचे और भगवान ने उनसे कहा कि वे केवल मेरे भक्त अंबरीष के पास जाकर ही क्षमा मांग सकते हैं। महर्षि दुवासां ने राजा अंबरीष के चरणों में गिरकर क्षमा मांग ली और राजा ने अत्यंत विनम्रता से सुदर्शन चक्र को शांत होने की प्रार्थना की। यह पावन प्रसंग हमें यह गहरी सीख देता है कि भगवान अपने सच्चे भक्त की रक्षा के लिए स्वयं प्रकट होते हैं और अहंकार करने वाले का घमंड अवश्य टूटता है।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल
कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

मेघ
आज कार्यक्षेत्र में आपको अपनी मेहनत का पूरा सकारात्मक परिणाम मिलेगा और नए व्यापारिक अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक मामलों में किए गए पुराने निवेश से बड़ा वित्तीय लाभ मिलने की पूरी संभावना बन रही है। माता लक्ष्मी के मंदिर में लाल पुष्प अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।
वृष
आज आपकी राशि पर शुक्र की अनुकूल स्थिति के कारण भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी और व्यापार में कोई बड़ा अनुबंध फाइनल हो सकता है। परिवार के साथ किसी सुंदर स्थल पर समय बिताने का अवसर मिलेगा। किसी जरूरतमंद महिला को खीर का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।
मिथुन
आज आपकी बौद्धिक क्षमता और वाणी की प्रभावशीलता से आपके सभी रुके हुए कार्य तेजी से गति पकड़ेंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अत्यंत सफल रहेगा और प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिलेगी। माता दुर्गा को शृंगार की वस्तुएं अर्पित करें जिससे आपके विद्या और ज्ञान में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

त्यौहारी धमाका! बाजारों में रौनक, खरीदारी के नए रिकॉर्ड की आस

○ बुज खंडेलवाल

मुंबई के किसी बड़े बाजार का नजारा देखिए। शाम ढलते ही दुकानों की जगमगाती रोशनी आंखों को चौंधिया रही है। कपड़ों के शोरूम में रंग-बिरंगी साड़ियों, डिजाइनर लहंगों और चमचमाते सूटों की बहार है। गहनों की दुकानों में सोना-चांदी दमक रहे हैं। कहीं हारे की अंगुठियां ग्राहकों को लुभा रही हैं, तो कहीं सोने की चेन पर नजरें टिक गई हैं।

उधर, सड़क के दूसरी ओर कारों के शोरूम सजे हैं। चमचमाती नई गाड़ियां ऐसे खड़ी हैं, मानो ग्राहकों को अपने साथ घर चलने का न्योता दे रही हों। मोटरसाइकिलों के शोरूम में भी भीड़ कम नहीं है। मोबाइल, टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन और दूसरे घरेलू सामानों की दुकानों पर छूट के बड़े-बड़े बोर्ड टंगे हैं। मिठाइयों की खुशबू, दुकानदारों की आवाजें और ग्राहकों की चहल-पहल मिलकर ऐसा समां बांध रहे हैं कि मंदी की चर्चा कुछ देर के लिए तो कोने में दुबक जाती है।

अखबारों के फुल पेज विज्ञापन देखकर लग रहा है कि इस त्यौहारी सीजन में खरीदारी के नए रिकॉर्ड बनेंगे। बाजारों के चेहरे पर चमक देखकर तो यही लगता है।

व्यापारियों के संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (उअकळ) का अनुमान है कि नवरात्र से दिवाली तक देश में कारोबार सात लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच सकता है। पिछले साल यह आंकड़ा लगभग 6.05 लाख करोड़ रुपये था। इस बार 15 से 18 प्रतिशत बढ़ोतरी की उम्मीद है।

मगर सवाल यह है कि इस संभावित उछाल के पीछे कौन से पांच कारक काम कर रहे हैं?

○ डॉ. दीपक गोस्वामी

कलम जब बिकती है, तो एक बार बिकती है, लेकिन जब गिरवी पड़ जाती है, तो हर दिन उसकी नीलामी होती है—कभी सत्ता के दबाव में, कभी विज्ञापनदाता की अपेक्षा में, कभी संस्क्रान की आर्थिक मजबूरी में और कभी परिवार की जरूरतों के सामने। पत्रकारिता का संकट केवल खबरों के खरीदे जाने का नहीं, बल्कि उस विवशता का भी है जिसमें सच लिखने की कीमत रोजी-रोटी से चुकानी पड़ती है।

लोकतंत्र में पत्रकारिता का काम सत्ता की प्रशंसा करना नहीं, उसके कामकाज पर निगाह रखना, जनसमस्याओं को सामने लाना और जवाबदेही तय करना है। लेकिन जब अखबार की आय विज्ञापन पर निर्भर हो और विज्ञापनदाता खबर की दिशा प्रभावित करने लगे, तब पत्रकारिता और प्रचार के बीच की रेखा धुंधली होने लगती है।

दबाव हमेशा खुले आदेश के रूप में नहीं आता। कभी फोन पर नाराजगी जताई जाती है, कभी विज्ञापन बंद करने का संकेत मिलता है, तो कभी प्रधान ही समझा देता है कि कुछ खबरों से दूरी रखना बेहतर होगा। पत्रकार के सामने सवाल खड़ा होता है—सच लिखे या नौकरी बनाए? जनहित में सवाल उठाए या संस्थान की आय का जोखिम टालें? इसी द्वंद में कलम की स्वतंत्रता धीरे-धीरे समझौतों के हवाले होने लगती है।

उत्तर प्रदेश के एटा, मैनुपुरी, कासगंज और फिरोजाबाद जैसे जिलों में छोटे समाचार-पत्रों का संघर्ष इस संकट की ठोस तस्वीर दिखाता है। सीमित आय, महंगा कागज, छपाई, बिजली, परिवहन और वितरण के खर्च के बीच अगला अंक निकालना ही बड़ी चुनौती बन जाता है। कई छोटे प्रकाशनों में संपादक ही रिपोर्टर, विज्ञापन जुटाने वाला और वितरण संभालने वाला होता है। संसाधन सीमित हैं, लेकिन अखबार नियमित निकालने की जिम्मेदारी लगातार बनी रहती है।

इस व्यवस्था की सबसे कमजोर कड़ी अक्सर संवाददाता होता है। खबर जुटाने के लिए पेट्रोल, मोबाइल, यात्रा और समय का खर्च वह खुद उठाता है, जबकि मानदेय कम, अनियमित या कभी-कभी अनुपस्थित रहता है। वह दुर्घटना, अपराध, भ्रष्टाचार, अस्पतालों की बहहाली और गांव की

समस्याओं की रिपोर्टिंग करता है, लेकिन अपने श्रम का मूल्य पाने के लिए भी उसे इंतजार करना पड़ सकता है। खबर समाज तक पहुंच जाती है, पर खबर जुटाने वाले के घर का खर्च अक्षरा रह जाता है।

ऐसी स्थिति में विज्ञापन केवल आय का साधन नहीं, अखबार के अस्तित्व का सहारा बन जाता है। स्थानीय कारोबारी या प्रभावशाली व्यक्ति विज्ञापन के बदले अनुकूल कवरेज की अपेक्षा कर सकता है। सरकारी विज्ञापन की आशा में भी आलोचनात्मक खबर छापने से संभावित नुकसान का डर पैदा हो सकता है। हर विज्ञापनदाता ऐसा नहीं करता, लेकिन जब आय के विकल्प सीमित हों और संपादकीय निर्णय की स्पष्ट सुरक्षा न हो, तो दबाव का खतरा बढ़ जाता है।

पत्रकार को हर बार चुप रहने का आदेश नहीं मिलता, कई बार परिस्थितियाँ ही उसे चुप्पी का अर्थ समझा देती हैं। खबर रोकना, भाषा नरम करना या सवाल की धार घटा देना उसे तत्काल नुकसान से बचा सकता है, लेकिन जनहित को कमजोर करता है। आर्थिक असुरक्षा इसलिए केवल प्रकाशन बचाना नहीं, स्थानीय आवाजों के लिए मंच बचाना भी है।

इस्का अर्थ यह नहीं कि हर प्रकाशन को बिना शर्त सरकारी विज्ञापन मिले या गुणवत्ता के मानक समाप्त कर दिए जाएँ। नियमित प्रकाशन, वास्तविक प्रसार, समाचारों की विश्वसनीयता और वित्तीय पारदर्शिता जरूरी हैं। लेकिन पात्रता के नियम स्पष्ट, उचित और समान रूप से लागू होने चाहिए, ताकि छोटे प्रकाशनों को अनावश्यक प्रक्रियागत बाधाओं के कारगर अवसर से वंचित न होना पड़े।

सरकारी विज्ञापन सार्वजनिक सूचना पहुँचाने का माध्यम है, किसी प्रकाशन पर उपकार नहीं। इसलिए विज्ञापन नीति,

पात्रता, दरें और चयन के मानक सार्वजनिक हों। आवेदन की स्थिति पता चल सके, अस्वीकृति का कारण लिखित रूप में मिले और अपील का समयबद्ध रास्ता उपलब्ध हो। फर्जी प्रसार के दावों पर कार्रवाई हो, लेकिन वास्तविक छोटे प्रकाशनों के लिए प्रक्रिया अनावश्यक रूप से जटिल न बनाई जाए।

भुगतान में देरी छोटे अखबारों की आर्थिक स्थिति और बिगाड़ती है। सत्यापित बिलों के भुगतान के लिए, उदाहरण के तौर पर, साठ दिन का लक्ष्य तय किया जा सकता है। किसी बिल पर आपत्ति हो तो विभाग समय रहते उसका कारण बताए। यह एक प्रस्तावित प्रशासनिक लक्ष्य है, वर्तमान सार्वभौमिक कानूनी समय-सीमा का दावा नहीं।

विज्ञापन आवंटन का आधार तय नीति और सत्यापन योग्य मानक होने चाहिए—सरकार की प्रशंसा या आलोचना नहीं। विभागवार आवंटन, भुगतान और लिबत आवेदनों का समेकित विवरण नियमित रूप से प्रकाशित किया जाए। शिकायतों के लिए जिम्मेदार अधिकारी, निपटारे की समय-सीमा और उच्च स्तर पर समीक्षा की व्यवस्था हो, शिकायत यदि संबंधित अधिकारी के विरुद्ध हो, तो उसकी जाँच किसी अन्य सक्षम प्राधिकारी से कराई जाए।

पत्रकारों की धमकी या हिंसा का सामना करना पड़े तो शिकायत दर्ज करने, जोखिम का आकलन करने और कानून के अनुसार आवश्यक सुरक्षा देने की प्रभावी प्रक्रिया हो। कार्रवाई पत्रकार की राजनीतिक पसंद या अखबार के आकार के आधार पर नहीं, साक्ष्यों के आधार पर हो। सरकार डिजिटल प्रकाशन, तथ्य-जाँच, सूचना के अधिकार, साइबर सुरक्षा और कानूनी दायित्वों पर प्रशिक्षण देकर छोटे प्रकाशनों की क्षमता भी बढ़ा सकती है।

व्यवस्था की सफलता भाषणों से नहीं, परिणामों से मापी जानी चाहिए। कितने आवेदन समय पर निपटे, भुगतान में औसत देरी कितनी रही और कितनी शिकायतें लिबत हैं—इन आंकड़ों की वार्षिक समीक्षा हो तथा कमियों पर सुधारात्मक कार्रवाई की जाए।

सरकार निष्पक्ष व्यवस्था दे सकती है, लेकिन संपादकीय स्वतंत्रता की रक्षा मीडिया संस्थानों को भी करनी होगी।

विज्ञापन और समाचार के बीच स्पष्ट अंतर हो, प्रायोजित सामग्री की पहचान स्पष्टाई न जाए, पत्रकारों के मानदेय, यात्रा-व्यय और भुगतान की शर्तें लिखित हों। विज्ञापन जुटाने के दबाव को खबर के चयन और प्रस्तुति पर हावी नहीं होने देना चाहिए।

छोटे प्रकाशन साझा वितरण, तकनीकी संसाधनों, प्रशिक्षण और कानूनी मार्गदर्शन के लिए सहयोग कर सकते हैं। डिजिटल सदस्यता, पाठक सहयोग और पारदर्शी स्थानीय विज्ञापन आय के वैकल्पिक स्रोत बन सकते हैं। पाठक भी विश्वसनीय समाचार-पत्र की सदस्यता लेकर और तथ्यपूर्ण पत्रकारिता का समर्थन करके उसकी आर्थिक नींव मजबूत कर सकते हैं।

पत्रकार की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। खबर प्रकाशित करने से पहले तथ्य जाँचना, संबंधित पक्ष का उत्तर लेना, गलती होने पर सुधार करना और निजी हितों को जनहित से अलग रखना अनिवार्य है। आर्थिक कठिनाई पेशेवर मानकों से छूट नहीं देती, ठीक वैसे ही जैसे आर्थिक सहायता देने से किसी विज्ञापनदाता को संपादकीय निर्णय खरीदने का अधिकार नहीं मिल जाता।

पत्रकारिता को बचाने के लिए सम्मान समारोह और प्रेस की स्वतंत्रता पर भाषण पर्याप्त नहीं हैं। संवाददाता को समय पर मानदेय, प्रकाशक की निष्पक्ष अवसर, संपादक की स्वतंत्र निर्णय और पाठक को विश्वसनीय सूचना चाहिए। इसके लिए पारदर्शी सरकारी नीति, जिम्मेदार मीडिया प्रबंधन और पत्रकार की पेशेवर ईमानदारी—तीनों का साथ जरूरी है।

कलम की असली परीक्षा तब होती है, जब सच लिखने से विज्ञापनदाता नाराज हो, अधिकारी असहज हो या संस्थान की आय पर संकट आए। उस समय स्वतंत्रता केवल साहस से नहीं, ऐसी व्यवस्था से भी बचती है जिसमें सच लिखने वाला अपना जीवन और पेशा दोनों संभाल सके।

कागज खरीदा जा सकता है, छपाई का खर्च उठाया जा सकता है और विज्ञापन दिया जा सकता है, लेकिन विश्वसनीयता खो देने पर जनता का भरोसा वापस पाना आसान नहीं। कलम को जीवित होने से बचाना है, तो पत्रकार को केवल सच लिखने की सीख नहीं, सच लिखकर जीवित रह सकने की व्यवस्था भी देनी होगी।

दिनांक 16 अक्टूबर 2026 शुक्रवार

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance)

राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल

जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई बड़ा काम पूरा होगा। किसी कन्या को फल दान करें जिससे आपके जीवन में सुख और शांति बनी रहे।

वृद्धिक

आज आपके सोचे हुए सभी गुप्त कार्य समय पर पूरे होंगे और लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम बनेगा। अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और अनियंत्रित खानपान से दूर रहें। माता लक्ष्मी को मखाने की खीर का भोग लगाएं जिससे आपके सभी शत्रु शांत हों।

धनु

आज मित्रों और व्यावसायिक सहयोगियों के माध्यम से कोई बड़ा रुका हुआ वित्तीय कार्य आसानी से संपन्न हो सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में आपकी गहरी रुचि रहेगी। जरूरतमंदों को चीनी या चावल दान करें जिससे आपके सभी अटके हुए मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरिपेशा लोगों को उच्च अधिकारियों की विशेष प्रशंसा मिलेगी और पदोन्नति से जुड़ी कोई अत्यंत शुभ सूचना मिल सकती है। पुराने कर्ज से मुक्ति मिलने के योग बहुत मजबूत है। शीघ्रतः का

पाठ करें जिससे आपके करियर की सभी बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए कार्य तेजी से गति पकड़ेंगे और आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। लंबी दूरी की किसी लाभदायक और मंगलमय यात्रा के योग बन रहे हैं। माता महालक्ष्मी का पूजन करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक मामलों में पूरी सावधानी बरतने की आवश्यकता है और किसी भी अनजान योजना में बड़ा जोखिम लेने से बचें। पारिवारिक माहौल शांत रहेगा और जीवनसाथी का भरपूर स्नेह तथा सहयोग मिलेगा। मंदिर में जाकर सफेद मिष्ठान वितरित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शुक्रवार के दिन घर के आग्नेय कोण यानी दक्षिण-पूर्व दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहाँ कपूर की टिकिया जलाने तथा मुख्य द्वार पर ताजे फूलों का तोरण लगाने से घर का नभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा माता लक्ष्मी की कृपा से अखंड धन-धान्य का वस होता है।

जयकारों से गूंजे दरबार, मां चंद्रघंटा के दर्शन को उमड़ा आस्था का सैलाब

○ **टीएनएफ टुडे, कासगंज।**

आदिशक्ति के जयकारों और घंटे-घड़ियालों की गूंज से पूरा जनपद बुधवार को भक्तिमय नजर आया। चैत्र/शारदीय नवरात्र पर्व के चौथे दिन बृहस्पतिवार को श्रद्धालुओं ने माता रानी के तृतीय स्वरूप मां चंद्रघंटा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त किया। तड़के भोर से ही शहर से लेकर ग्रामीण अंचल तक के देवी मंदिरों में भक्तों का तांता लग गया, जो देर शाम तक अनवरत जारी रहा।

भोर की पहली किरण के साथ शुरू हुआ दर्शन-पूजन का सिलसिला नवरात्र के चौथे दिन सूर्योदय से पहले ही शहर के प्रमुख

- मां चंद्रघंटा की आराधना को मंदिरों में उमड़ी मौड़
- घंटे की गूँज और जयकारों से भक्तिमय हुआ माहौल
- सुख-समृद्धि की कामना लेकर भक्तों ने टेका माथा

देवी मंदिरों के कपाट खुलते ही भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों और महिलाओं में मां के दर्शन को लेकर गजब का उत्साह देखने को मिला। हाथों में पूजा की थाल, नारियल, चुनरी, रोली, अक्षत, लौंग, बताशे और श्रृंगार का सामान लिए श्रद्धालु जय माता दी के जयकारे लगाते हुए मंदिर परिसर में प्रवेश कर रहे थे। पूरा वातावरण माता के मंत्रोच्चार



और घंटा-घड़ियाल की ध्वनि से गुंजायमान हो उठा। प्रमुख मंदिरों में रहा भारी उत्साह, चप्पे-चप्पे पर दिखी आस्था शहर के ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते विशेष प्रबंध किए गए थे।

माता काली मंदिर (शांतापुरी): शांतापुरी स्थित मां काली के दरबार

ही भक्तों का ऐसा रेला उमड़ा कि मंदिर परिसर से बाहर मुख्य मार्ग तक लंबी कतारें नजर आईं। मां चामुंडा का अलौकिक श्रृंगार कर भव्य आरती की गई, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने हिस्सा लिया।

माता काली मंदिर (शांतापुरी): शांतापुरी स्थित मां काली के दरबार

जयकारों से गूंजे दरबार, मां चंद्रघंटा के दर्शन को उमड़ा आस्था का सैलाब

- मां चंद्रघंटा की आराधना को मंदिरों में उमड़ी मौड़
- घंटे की गूँज और जयकारों से भक्तिमय हुआ माहौल
- सुख-समृद्धि की कामना लेकर भक्तों ने टेका माथा

○ **टीएनएफ टुडे, कासगंज।**

आदिशक्ति के जयकारों और घंटे-घड़ियालों की गूंज से पूरा जनपद बुधवार को भक्तिमय नजर आया। चैत्र/शारदीय नवरात्र पर्व के चौथे दिन बृहस्पतिवार को श्रद्धालुओं ने माता रानी के तृतीय स्वरूप मां चंद्रघंटा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त किया। तड़के भोर से ही शहर से लेकर ग्रामीण अंचल तक के देवी मंदिरों में भक्तों का तांता लग गया, जो देर शाम तक अनवरत जारी रहा।

भोर की पहली किरण के साथ शुरू हुआ दर्शन-पूजन का सिलसिला नवरात्र के चौथे दिन सूर्योदय से पहले ही शहर के प्रमुख देवी मंदिरों के कपाट खुलते ही भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों और महिलाओं में मां के दर्शन को लेकर गजब का उत्साह देखने को मिला। हाथों में पूजा की थाल, नारियल, चुनरी, रोली, अक्षत, लौंग, बताशे और श्रृंगार का सामान

में भक्तों ने माता को विशेष प्रसाद अर्पित कर परिवार की मंगल कामना की।

प्रभु पार्क स्थित माता मंदिर एवं माल गोदाम चौराहा स्थित दुर्गा मंदिर: इन प्रमुख स्थानों पर भी माता के दर्शन और पूजन के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। महिलाओं ने पारंपरिक गीतों के साथ मां की महिमा का बखान किया।

इसके अलावा, शहर के विभिन्न गली-मोहल्लों, हाउसिंग सोसाइटियों और ग्रामीण क्षेत्रों के ग्रामीण देवी मंदिरों में भी विशेष हवन, पूजन और दुर्गा सप्तशती के पाठ गूंजते रहे।

मां चंद्रघंटा के स्वरूप का किया स्मरण, मांगी सुख-शांति धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां चंद्रघंटा



लिए श्रद्धालु जय माता दी के जयकारे लगाते हुए मंदिर परिसर में प्रवेश कर रहे थे। पूरा वातावरण माता के मंत्रोच्चार और घंटा-घड़ियाल की ध्वनि से गुंजायमान हो उठा। प्रमुख मंदिरों में रहा भारी उत्साह, चप्पे-चप्पे पर दिखी आस्था शहर के ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते विशेष प्रबंध किए गए थे।

माता चामुंडा मंदिर: यहां सुबह से ही भक्तों का ऐसा रेला उमड़ा कि मंदिर परिसर से बाहर मुख्य मार्ग तक लंबी कतारें नजर आईं। मां चामुंडा का अलौकिक श्रृंगार कर भव्य आरती की गई, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने हिस्सा लिया।

माता काली मंदिर (शांतापुरी): शांतापुरी स्थित मां काली के दरबार में भक्तों ने माता को विशेष प्रसाद अर्पित कर परिवार की मंगल कामना की।

प्रभु पार्क स्थित माता मंदिर एवं माल गोदाम चौराहा स्थित दुर्गा मंदिर:

जमीन के लिए टावर पर चढ़ा युवक, नीचे उतरते ही महिला ने कर दी पिटाई!

पिता द्वारा जमीन नाम न करने से नाराज होकर उठाया कदम, पुलिस ने आधे घंटे की मशकत के बाद सकुशल उतारा

- शराब के नशे में मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक
- सूचना पर पुलिस बल के साथ पहुंचे कोतवाली प्रमारी
- समझाने-बुझाने के बाद नीचे उतारा छोटेलाल

○ **टीएनएफ टुडे, कासगंज।**

कोतवाली क्षेत्र के गांव मामों में बुधवार को पिता द्वारा जमीन नाम न किए जाने से नाराज होकर करीब 30 वर्षीय युवक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने समझा-बुझाकर करीब आधे घंटे की मशकत के बाद उसे सकुशल नीचे उतार लिया। हालांकि, नीचे उतरते ही टावर लंबी जगह की मालकिन ने युवक के साथ मारपीट शुरू कर दी। पुलिस ने बीच-बचाव कर युवक को महिला से छुड़ाया।

भजनों की गूंज और लांगुरिया पर थिरके कदम, भक्तिमय हुआ माहौल नवरात्रि समारोह में महिलाओं ने भजन-कीर्तन कर की मां सरस्वती की आराधना

○ **टीएनएफ टुडे, कासगंज।**

साहित्यिक सामाजिक अखिल भारतीय श्री मन मस्त सत्संग मंडल के तत्वावधान में आवास विकास कॉलोनी स्थित श्री मनमस्त आश्रम के देवी सरस्वती मंदिर में नवरात्रि से प्रारंभ समारोह के अंतर्गत धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भक्त महिलाओं ने मां सरस्वती का विधि-विधान से पूजन-अर्चना किया। इसके बाद छंद, भजन, कीर्तन और लांगुरिया प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। महिलाओं ने भक्ति गीतों पर नृत्य कर मां की आराधना की।

मंडल की महामंत्री कु. प्रतिज्ञा ने बताया कि गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी देवी मंदिर में भजन-कीर्तन के

सफाई कर्मचारी से अमद्रता पर भड़का आक्रोश, ब्लॉक पर गरजे कर्मचारी

लिखित माफीनामे के बाद धरना स्थगित, अधिकारियों ने दी दोबारा गलती न करने की हिदायत

- प्रधान पति पर अमद्र भाषा के इस्तेमाल का आरोप
- अधिकारियों की पहल पर हुआ सुलह-समझौता
- माफीनामे के बाद कर्मचारियों ने स्थगित किया धरना

○ **टीएनएफ टुडे, कासगंज।**

अमांपुर की ग्राम पंचायत रानामऊ में तैनात सफाई कर्मचारी के साथ प्रधान पति द्वारा अमद्रता किए जाने के मामले में मंगलवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की शाखा कासगंज के बैनर तले अमांपुर ब्लॉक परिसर में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों के विरोध की जानकारी मिलने पर विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले का संज्ञान लिया। अधिकारियों की पहल पर प्रधान पति ने लिखित माफीनामा दिया, जिसके बाद कर्मचारियों ने धरना स्थगित कर दिया। धरने की अध्यक्षता करते हुए संगठन के जिला महामंत्री सुखवीर सिंह ने कहा कि ग्राम प्रधानों द्वारा सफाई कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने बताया कि

सड़क दुर्घटना में दंपति समेत तीन घायल

कासगंज। शहर कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार की देर रात हुई सड़क दुर्घटना में दंपति समेत तीन लोग घायल हुए हैं। एंबुलेंस की मदद से रात में ही सभी घायलों को जिला अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात करीब साढ़े दस बजे एंबुलेंस से एटा के शांतिनगर निवासी रामीतार, उनके चार वर्षीय बेटे रवि, पत्नी रीना को घायलावस्था में जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया।

विषाक्त के सेवन से युवक की बिगड़ी हालत, भर्ती

कासगंज। अमांपुर क्षेत्र के देदपुर गांव के एक युवक की विषाक्त से हालत बिगड़ गई। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे भर्ती कर-के उपचार शुरू कर दिया है। जिला अस्पताल से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात करी सवा दस बजे जयप्रकाश पुत्र पंकज सिंह निवासी देवपुर अमांपुर को जिला अस्पताल लाया गया। परिजनों ने उसके विषाक्त से हालत बिगड़ने की बात कही। इसके बाद चिकित्सकों ने उसे भर्ती करके उपचार शुरू कर दिया।

करिश्मा कपूर की एक झलक पाने को उमड़ा जनसैलाब, कासगंज-सोरों मार्ग पर लगा जाम

अभिनेत्री के आगमन पर शहर में दिखी जबरदस्त दीवानगी, दो घंटे बाधित रहा यातायात

○ **टीएनएफ टुडे, कासगंज।**

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर के कासगंज आगमन पर बुधवार को शहर में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। एक निजी कार्यक्रम के भव्य उद्घाटन समारोह में शामिल होने पहुंची अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए कार्यक्रम स्थल पर प्रंसकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दोपहर 4 बजकर 25 मिनट पर उनके पहुंचते ही लोगों ने तालियों और नारों के साथ स्वागत किया। करिश्मा कपूर ने भी मुस्कुराते हुए हाथ हिलाकर प्रंसकों का अभिवादन किया। अभिनेत्री के आगमन को देखते हुए

- सोरों गेट पर एंबुलेंस भी फंसी, सुरक्षा व्यवस्था के बीच यातायात प्रबंधन पर उठे सवाल

जिला प्रासन और पुलिस विभाग ने सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए थे। सीओ सदर आंचल चौहान ने कोतवाली प्रभारी जगदीश चंद्र और यातायात प्रभारी लक्ष्मण सिंह के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने आयोजन प्रबंधक और निजी सुरक्षा कर्मियों को भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा घेरे तथा यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के निर्देश दिए।

दो घंटे जाम में जूझते रहे

शिक्षक एमएलसी चुनाव में भाजपा ने झोंकी ताकत, समर्थन जुटाने को चला अभियान

कॉलेजों में जनसंपर्क, शिक्षक बैठक में चुनावी रणनीति पर मंथन

○ **टीएनएफ टुडे, कासगंज।**

कासगंज। शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी के समर्थित प्रत्याशी हरिकिशोर तिवारी के समर्थन में जनपद कासगंज में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत श्री गणेश इंटर कॉलेज सहित विभिन्न कॉलेजों में पहुंचकर प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों से संपर्क किया गया। इस दौरान शिक्षक एवं कर्मचारी हितों से जुड़े विषयों पर चर्चा करते हुए आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान को लेकर रणनीति पर चर्चा की। जनसंपर्क के दौरान कॉलेज प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों से भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में प्रथम वरीयता (1) का मत देने की अपील की गई। कार्यक्रम में एमएलसी

- 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान को लेकर शिक्षकों से संवाद
- कॉलेज प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों से प्रथम वरीयता का मत देने की अपील
- शिक्षक एवं कर्मचारी हितों से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा

रजनीकांत माहेश्वरी, पिछड़ा आयोग सदस्य महेंद्र राना तथा क्षेत्रीय मंत्री डी.एस. लोधी सहित अनेक वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर डी.एस. पाल, रमेश साहू, नवल कुलश्रेष्ठ, डॉ. योगेंद्र सिंह चौहान, ज्ञान प्रकाश गुप्ता, संजय सोलंकी, महेंद्र सिंह बघेल, आकाशदीप वर्मा रां, भगवान दास राणा, के.पी. साहू, डॉ मनोज शर्मा, संजय पुंडीर, विजय लक्ष्मी कश्यप, सुमित वाल्मीकि, मोहित तेजधारी, अजय राणा सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं शिक्षक मौजूद रहे।

ट्रेनों में मोबाइल चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, 55 हजार के तीन फोन बरामद

कासगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 से जीआरपी ने १0 वर्षीय युवक को पकड़ा

○ **टीएनएफ टुडे, कासगंज।**

जीआरपी पुलिस ने रेलवे स्टेशनों और चलती ट्रेनों में मोबाइल चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 55,000 रुपये कीमत के तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप रेलवे में अपराधों की रोकथाम और वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के तहत जीआरपी थाना कासगंज पुलिस को यह कामयाबी मिली है।

थानाध्यक्ष जीआरपी कोमल कुंदन ने बताया कासगंज कोमल कुंतल ने बताया पुलिस टीम 14



अक्टूबर 2026 को चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सुबह करीब 09:20 बजे मुखबिर की सूचना और सतर्कता के आधार पर रेलवे स्टेशन कासगंज के प्लेटफॉर्म युवराज उर्फ टाटू गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण नाम व पता: युवराज उर्फ टाटू पुत्र उमेशचंद्र उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम खेड़ा थाना अवागढ़, जिला एटा को धर दबोचा। पूछताछ में खुलासा का पिटारा गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस ने आरोपी से कड़ाई से

पूछताछ की, तो उसकी निशानदेही पर विभिन्न स्थानों से चुराए गए 03 एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद हुए, जिनकी बाजार में कुल कीमत करीब 55,000 रुपये आंकी गई है।

जीआरपी ने आरोपी के खिलाफ थाना जीआरपी कासगंज में पंजीकृत कर लिया है। पुलिस अब बरामद मोबाइल फोनों के असली मालिकों की पहचान के लिए आईएमईआई नंबरों की मदद से सर्विलांस सेल का सहारा ले रही है, ताकि उनके सही स्वामियों तक सामान वापस पहुंचाया जा सके। सराहनीय भूमिका निभाने वाली पुलिस टीम अभियुक्त को पकड़ने वाली टीम में थानाध्यक्ष कोमल कुंतल के साथ उपनिरीक्षक विपिन कुमार, हेड कांस्टेबल वीरेश कुमार, राजकुमार, दिनेशचंद्र और कांस्टेबल आकाश फौजदार शामिल रहे।



कर रहे हैं। इसी बात से नाराज होकर वह टावर पर चढ़ गया था। युवक के नीचे उतरते ही जिस जगह पर टावर लगा है, उस जगह के मालिक रूपेश की पत्नी ने गुस्से में उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने किसी तरह महिला से युवक को छुड़ाया।

इसके बाद पुलिस ने छोटेलाल को अपने कब्जे में ले लिया। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

आयोजन किए जा रहे हैं। उन्होंने भक्तजनों से कार्यक्रमों में भाग लेकर धार्मिक कार्यों में सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में ह्दयार सजा है तेरा द्वार भवानीहू, ह्दयते मुझे बुलाया शेरवालिपहू, ह्दमाता के मंदिर की छटा निराली हैहू, ह्दचलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया हैहू तथा ह्दकेला मैया के भवन में छुट्टियां खेले लांगुरियाहू सहित अनेक भजन प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर श्रीमती सरला भागद्वज, सरला त्रिपाठी, मनोरमा ईसवाल, रीना शर्मा, निर्मला उपाध्याय, संध्या शुक्ला, शैलबाला वाष्णीय, सुमन, राजमाला, नीलम सक्सेना, राधिका, नीतिज्ञा, हेमलता, कु. प्रतिज्ञा और कु. वैष्णवी सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं। अंत में सभी भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया।



आयुर्वेद के अनुसार एक धीमा जहर है व्हाइट सॉस पास्ता

आजकल खान-पान में कई बदलाव होने लगे हैं। इंडियन कुजीन के साथ और भी कई तरह की कुजीन हमारी डाइट का हिस्सा बन चुकी हैं। पिज्जा, पास्ता और मोमो समेत कई चीजें आजकल लोगों को और खासकर बच्चों को बेहद पसंद आ रही हैं। व्हाइट सॉस पास्ता भी आजकल लोगों की फेवरेट डिश में से एक बन चुका है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि खाने-पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें हम रोजमर्रा की जिंदगी में शौक से खाते तो हैं लेकिन असल में ये सेहत के लिए नुकसानदेह है।

आयुर्वेद में खान-पान के तरीके और समय पर काफी जोर दिया जाता है। आज के समय में खान-पान की जिन चीजों का चलन बढ़ गया है, उनमें से कई ऐसी चीजें भी हैं, जिन्हें आयुर्वेद में सेहत के लिए नुकसानदेह बताया गया है। व्हाइट सॉस पास्ता इन्हीं में से एक है। यह क्यों आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है और किस तरह आप इसे हेल्दी तरीके से खा सकती हैं, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि आजकल लोग जब भी बाहर जाते हैं, तो अक्सर व्हाइट सॉस पास्ता ऑर्डर करते हैं। घरों में भी इसे बनाने का चलन बढ़ गया है। लेकिन, आयुर्वेद के अनुसार, यह एक धीमा जहर है, जो आपके शरीर को नुकसान पहुंचा रहा है।

- आयुर्वेद का कहना है कि शरीर में टॉक्सिन्स जमा होना और स्किन से जुड़े डिसऑर्डर के पीछे सबसे बड़ी वजह विरुद्ध आहार होता है। विरुद्ध आहार यानी खाने की दो ऐसी चीजों को एक साथ मिलाकर खाना, जो प्रकृति में एक-दूसरे के विपरीत हैं और सेहत पर बुरा असर डाल सकती हैं।
- जब आप व्हाइट सॉस बनाते हैं, तो इसमें दूध के साथ नमक मिलाते हैं, ये दोनों चीजें एक साथ लेना आयुर्वेद में सही नहीं बताया गया है।
- अगर आप लंबे समय तक इस कॉम्बिनेशन को खाते हैं, तो शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं, स्किन से जुड़ी दिक्कतें हो जाती हैं और अर्थराइटिस भी हो सकती है।
- अगर आप इस खाना चाहते हैं, तो व्हाइट सॉस बनाते समय रेगुलर मिल्क की जगह प्लांट बेस्ड मिल्क जैसे ओट मिल्क, कोकोनेट मिल्क और सोय मिल्क का इस्तेमाल करें। इससे सेहत को नुकसान नहीं होगा।



शरीर के साथ-साथ दिमाग और मन को भी हेल्दी रखने में मदद करता है योगासन



योगासन करने से पहले और बाद में कुछ बातों का ख्याल रखने की जरूरत होती है, जिससे फिट रहने में मदद मिल सकती है। आइए, यहां एक्सपर्ट से जानते हैं कि फिट रहने के लिए योगासन करने से पहले और बाद में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

योगासन का महत्व सिर्फ भारत ही नहीं, पूरे दुनिया समझ रही है। योगासन हमारे शरीर के साथ-साथ दिमाग और मन को भी हेल्दी रखने में मदद करता है। योगासन करने के अनेक फायदे हैं, लेकिन क्या आप जानती हैं योग करने से पहले और बाद में कुछ बातों का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। रोजाना योगासन करने से पहले और बाद में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए, यह हमें योग और स्पिरचुल लीडर हिमालयन सिद्धा अक्षर ने बताया है। हिमालयन सिद्धा अक्षर, अवशर योग केंद्र के फाउंडर हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले और बाद में वार्म अप, कूल डाउन और न्यूट्रिशन जैसी चीजों का ख्याल रखना चाहिए।

योगासन से पहले किन बातों का रखें ध्यान?

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले ठीक तरह से वार्म अप करना जरूरी माना जाता है। इस दौरान हल्के मूवमेंट करने चाहिए,

जिससे ब्लड फ्लो और फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है।

लाइट कार्डियो

योगासन करने से पहले 5-10 मिनट सैर करना, जगह पर ही खड़े रहकर जॉगिंग और जंपिंग जैक्स करने की सलाह दी जाती है। क्योंकि यह हार्ट रेट को बढ़ाते हैं।

ज्वाइंट मूवमेंट

योगासन से पहले अपने हाथ, पैर, गर्दन और कंधों के ज्वाइंट्स को मूव करने की सलाह दी जाती है।

कैट-काउ स्ट्रेच

एक्सपर्ट के मुताबिक, पीठ की मूवमेंट के लिए पहले आर्च और राउंड बनाने की सलाह दी जाती है।

सूर्य नमस्कार

पूरे शरीर के वार्म अप के लिए पहले



सूर्य नमस्कार के 2-3 राउंड करना फायदेमंद हो सकता है। सूर्य नमस्कार के अनेक फायदे होते हैं।

योगासन करने से पहले क्या खाना चाहिए?

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले पोषण से भरपूर भोजन की सलाह दी जाती है, जिससे एनर्जी लेवल बना रहे और किसी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े। योगासन से 2-3 घंटे पहले लाइट डाइट या 30 से 60 मिनट पहले कम मात्रा में स्नेक्स लेने चाहिए। रोजाना योगाभ्यास करने वालों को पूरे दिन हाइड्रेट रहने की सलाह दी जाती है। लेकिन योगासन करने से तुरंत पहले ज्यादा मात्रा में पानी का सेवन करने से बचना चाहिए।

योगासन के बाद क्या खाना है फायदेमंद?

- योगासन से पहले मुड़ीभर नट्स और एक केला खाना फायदेमंद हो सकता है।
- एल्मन्ड बटर के साथ सेब को काटकर भी खाया जा सकता है।
- बेरिज के साथ ग्रीक योगर्ट का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है।
- योगासन करने के 30-60 मिनट में खाना खा लेना चाहिए, इससे शरीर को रिकवर करने में आसानी होती है।
- योगासन के बाद शरीर को

हाइड्रेट करना जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस दौरान खूब सारे फ्लूयिड्स शरीर से निकल जाते हैं। योगासन के बाद नारियल पानी का सेवन करना फायदेमंद माना गया है।

- योगासन करने के बाद प्रोटीन पाउडर, फल और पतेंदार सब्जियों की स्मूदी का सेवन कर सकते हैं। नट्स के साथ ओटमील, सीड्स और फेश फरुट्स का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है।

योगासन से पहले

क्या ना खाएं?

योगासन से पहले भारी और ज्यादा तला-भुना खाने से बचना चाहिए। योगासन से पहले मसालेदार खाने का सेवन नहीं करने की सलाह दी गई है। भारी मात्रा में भी कैफीन का सेवन करने से बचना चाहिए।

योगासन के बाद किन बातों का रखें ध्यान?

योगासन के बाद कूल डाउन होने की जरूरत होती है, इससे फिट रहने में मदद मिलती है।

शवासन

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन के बाद 5 से 10 मिनट शवासन करना चाहिए, इससे आपके शरीर को आराम तो मिलेगा।

आसान स्ट्रेचिंग

योगासन करने के बाद शरीर के जिन जगहों पर दर्द का अहसास हो रहा है, उसके लिए 30 से 60 सेकेंड स्ट्रेच करें।

डीप ब्रीथिंग

योगासन करने के बाद धीरे और डीप ब्रीथिंग करने की सलाह दी जाती है, इससे नर्वस सिस्टम को आराम मिलता है।

मेडिटेशन

योगासन के बाद थोड़ी देर का मेडिटेशन भी आपके दिमाग और शरीर को रिलेक्स करने में मदद कर सकता है। मेडिटेशन के अनेक फायदे होते हैं।



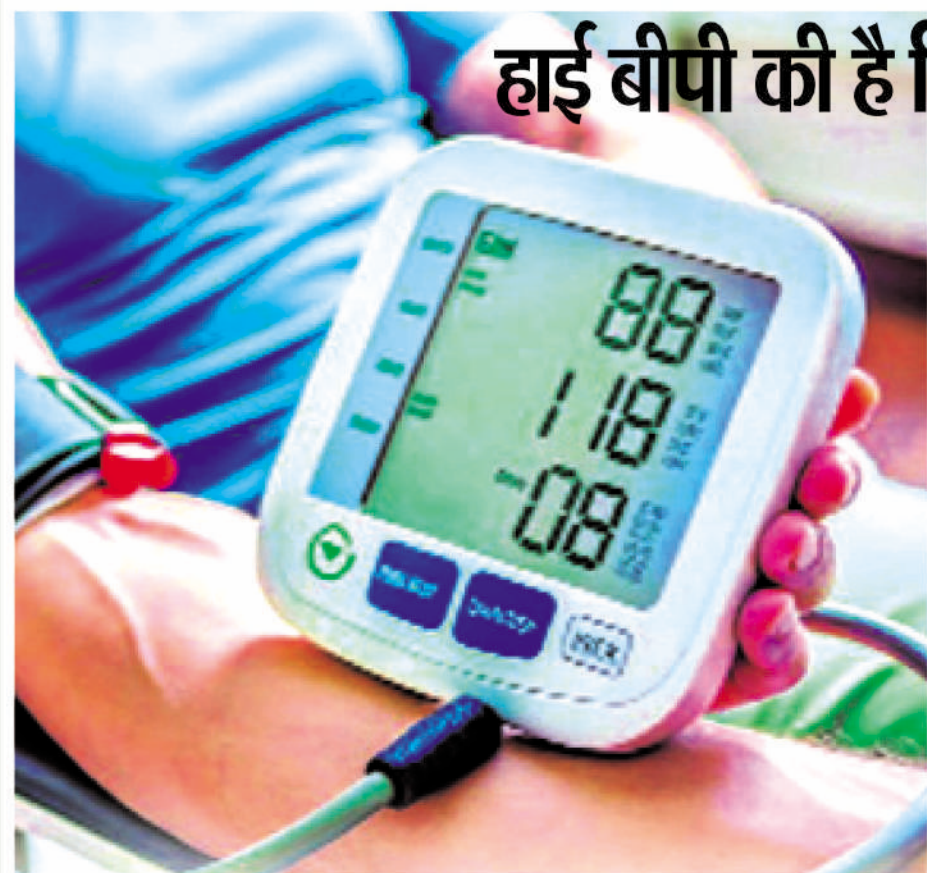
जिंक से प्रोटीन फाइबर तक, पोषक तत्वों से भरपूर काला नमक चावल

आजकल स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोग सामान्य चावल की जगह पौष्टिक विकल्प तलाश रहे हैं। इन्हीं में से एक है काला नमक चावल। यह बेहद पौष्टिक, सुगंधित और स्वादिष्ट चावल है जो कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इस चावल को 'बुद्ध राइस' या इसे 'महात्मा बुद्ध का महाप्रसाद' भी कहा जाता है। इस चावल की खासियत यह है कि यह न सिर्फ पौष्टिक बल्कि स्वादिष्ट भी है। इसमें प्राकृतिक सुगंध होती है, जिससे खाना और भी स्वादिष्ट बन जाता है। इसे दाल, सब्जी, सलाद के साथ खाया जा सकता है। इसकी खिचड़ी भी सेहतमंद होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि आधुनिक जीवनशैली में पौष्टिक अनाजों को अपनी थाली में शामिल करना जरूरी है। काला नमक चावल सामान्य सफेद चावल का बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। हालांकि, किसी भी नए खाद्य पदार्थ को अपनी डाइट में शामिल करने से पहले डॉक्टर या न्यूट्रिशनर से सलाह अवश्य लें।

काला नमक चावल में आयरन, जिंक, प्रोटीन और फाइबर समेत अन्य पोषक तत्व भी इसमें प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। काला नमक चावल डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद माना जाता है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत कम होता है, जिससे खाने के बाद ब्लड शुगर लेवल अचानक नहीं बढ़ता। इससे डायबिटीज के मरीज आसानी से अपना खान-पान संतुलित रख सकते हैं। इस चावल के नियमित सेवन से वजन प्रबंधन में भी मदद मिलती है। इसमें मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे अनावश्यक भूख नहीं लगती और वजन बढ़ने की समस्या कम होती है। जो लोग वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, उनके लिए यह अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। काला नमक चावल पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाता है। फाइबर की अच्छी मात्रा होने के कारण यह कब्ज जैसी आम समस्याओं से राहत दिलाता है और पाचन क्रिया को सुचारु रूप से चलाने में मदद करता है। इसके अलावा, यह हृदय स्वास्थ्य के लिए भी बेहद उपयोगी है। आयरन और जिंक जैसे तत्व शरीर में खून की कमी को दूर करते हैं और रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं। इससे हृदय संबंधी जोखिम कम होते हैं। काला नमक चावल बच्चों और महिलाओं के लिए भी फायदेमंद है। आयरन की भरपूर मात्रा एनीमिया यानी खून की कमी की समस्या को दूर करने में सहायक है। जिंक इम्युनिटी बढ़ाता है और प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है।



हाई बीपी की है शिकायत तो खान-पान को लेकर बरतें अतिरिक्त सतर्कता



अगर आपको हाई बीपी की शिकायत है तो ऐसे में आपको अपने खान-पान का जरूर ध्यान रखना चाहिए। ऐसे कई फूड्स हैं, जिन्हें हाई बीपी के मरीजों को नाश्ते में खाने से बचना चाहिए।

नाश्ता दिन का पहला मील होता है और इसलिए इसका सीधा प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ता है। यही कारण है कि आपको अपने नाश्ते का खास ख्याल रखना चाहिए। अमूमन जब आप नाश्ता बनाते हैं तो आपको अपनी हेल्थ कंडीशन पर फोकस करना चाहिए। मसलन, अगर आपको हाई बीपी है तो आपको नाश्ते में कुछ फूड आइटम्स को अवॉयड करना चाहिए। आहार आपके बीपी पर बहुत प्रभाव डाल सकता है। अगर आप सोच-समझकर अपना नाश्ता नहीं बनाते हैं तो इससे आपका ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है और आपको परेशान कर सकता है। हाइपरटेंशन समय के साथ कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं जैसे हृदय रोग और स्ट्रोक का कारण बन सकता है। इसलिए, आपको अपने खान-पान को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए।

हाई सोडियम सेरल्स

अधिकतर लोग नाश्ते में सेरल्स खाना काफी पसंद करते हैं। हालांकि, अगर आपको बीपी की शिकायत है तो आपको नाश्ते में हाई सोडियम सेरल्स खाने से बचना चाहिए। आजकल मार्केट में रेडी-टू-ईट सेरल्स मिलते हैं। इनमें अक्सर अतिरिक्त नमक या फ्लेवोरिंग को मिक्स किया जाता है। सोडियम की अधिकता की वजह से इन सेरल्स का सेवन बीपी के मरीजों के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। इसलिए, अगर आपको सेरल्स खाना अच्छा लगता है तो ऐसे में आप कम सोडियम या अनसवीटन सेरल्स का चयन करें।

फाइड फूड्स

हाई बीपी के मरीजों को नाश्ते में डीप फाइड आइटम्स

का सेवन करने से भी बचना चाहिए। फाइड फूड्स में अनहेल्दी फैट्स कटेड काफी अधिक होता है, इसलिए जब आप इसका सेवन करते हैं तो इससे आपका वजन बढ़ता है। अधिक वजन ब्लड प्रेशर की शिकायत को बढ़ा सकता है।

व्हाइट ब्रेड और पेस्ट्री

हाई बीपी के मरीजों के लिए रिफाइनड आटे से बनी आइटम्स जैसे व्हाइट ब्रेड, पेस्ट्री और अन्य बेवड सामान का सेवन करने से बचना चाहिए। इस तरह की फूड आइटम्स ब्लड शुगर लेवल में स्पाइक का कारण बन सकते हैं। इतना ही नहीं, इससे आपका वजन भी बढ़ सकता है। जिससे भी आपके ब्लड प्रेशर की समस्या बंद से बदतर हो सकती है।

हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स

नाश्ते में डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करना बेहद आम है। अमूमन लोग नाश्ते में दूध व दही आदि का सेवन करते हैं। लेकिन अगर आपको बीपी की समस्या है तो ऐसे में आपको हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे फुल फैट मिल्क, फुल फैट चीज आदि से बचना चाहिए। इन तरह के प्रोडक्ट्स में सैचुरेटेड फैट अधिक पाया जाता है। इसलिए, इनके सेवन से ब्लड कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ सकता है और ऐसे में आपको हाई बीपी की शिकायत हो सकती है। अगर आप डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स की जगह रिकमंड मिल्क आदि का सेवन करना चाहिए।

